an>

Title: Need to take initiative to include Buddhist Monuments in Vaishali, Bihar in the list of world heritage sites and provide adequate financial package to develop them as tourist places.

श्री रामा किशोर सिंह (वैशाली) : महाभारत काल से अब तक वैशाली, बिहार का गौरवशाली और प्राचीन इतिहास रहा है । महाभारत काल के राजा विशाल, भगवान महावीर की जन्मस्थली, भगवान गौतमबुद्ध की कर्मस्थली, चीनी विद्वान फकशियन और युवानजंग की मर्मस्थली और विश्व के प्रथम गणराज्य बनने का इतिहास वैशाली को जाता है । यह स्थान एक बड़ा और समृद्धशाली राजधानी प्राचीन काल से ही रहा है, यही कारण है कि 383 बी.सी0 में राजा कालाशोक के द्वारा इस स्थान पर द्वितीय बौद्ध परिषद का आयोजन किया गया ताकि बौद्ध और जैन धर्मों की दृष्टि से इस स्थान का सर्वश्रेष्ठ बनाया जा सके । इतनी ख्याति के पश्चात् भी पटना से हाजीपुर अवागमन के लिए गंगा नदी पर पुल जर्जर स्थिति में है । बोधगया और राजगीर को विश्व हैरिटेज में शामिल किया गया और बौद्ध सर्किट से जोड़ा गया है, परन्तु वर्ष 2008 में सरकार ने कोल्हुआ (वैशाली) के विकास के लिए मात्र 388.97 लाख रूपये की केन्द्रीय सहायता प्रदान की है ।

अतः केन्द्र सरकार से आग्रह है कि वैशाली पर्यटक स्थल के विकास के लिए इसे वर्ल्ड हैरिटेज में शामिल करने और बौद्ध सर्किट में जोड़ने और विशेष आर्थिक पैकेज प्रदान करने की कृपा की जाये ताकि विश्व के इस प्रथम गणराज्य को विश्व के शीर्ष पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा सके ।